वर्ष 2002-2003 की हिन्दी रिपोर्ट

जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ यह स्वायत्तशासी संस्था 'राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान' अपनी स्थापना काल से अब तक अपने संवैधानिक दायित्वों के प्रति सदैव सजग रहा है, जिसका प्रमाण है कि इस संस्थान को विगत वर्ष केन्द्रीय जल-संसाधन मंत्रालय द्वारा पूर्व के किए गए सराहनीय कार्यों के लिए 'वैजन्ती शील्ड' का द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया।

विगत वर्ष राजभाषा हिन्दी कार्यान्वयन समिति की मात्र एक बैठक दिनांक 30-05-2002 को आयोजित हुई, जिसमें पूर्व की अनुवर्ती गतिविधियों की समीक्षा की गई और वर्ष 2002-2003 के कार्यक्रम निर्धारित किए गए । विगत वर्ष 'राष्ट्रीय वचत वर्ष' था, जिसके कारण वर्ष के प्रथम तिमाही में बैंकिग़ जमा, ऋण योजनाओं, इंटरनेट एवं 'ए टी एम' विषय पर हिन्दी में कुल तीन कार्यशालाएं आयोजित की गई, जिसमें स्थानीय बैंकों जैसे-स्टेट बैंक, आई ओ बी तथा पंजाब नेशनल बैंक ने वांछित योगदान प्रदान किया ।

विगत वर्ष दिनांक 12-09-2002 से 16-09-2002 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे-काव्य पाठ, अहिन्दी-भाषी क्षेत्रों से संबन्धित कर्मचारियों के लिए 'लिखित प्रश्नोत्तरी', 'आशु भाषण', 'नोटिंग एवं ड्राफ़्टिंग', 'निबन्ध', 'मौखिक प्रश्नोत्तरी', 'वाद-विवाद' आदि कुल नौ (9) कार्यक्रम आयोजित हुए, जिसमें अहिन्दी भाषी क्षेत्रों से संबन्धित कर्मचारियों के लिए 'लिखित प्रश्नोत्तरी' तथा 'वाद-विवाद', एवं कार्यालय के कर्मचारियों के लिए 'नोटिंग-ड्राफ़्टिंग' तथा स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं हेतु वाद-विवाद के चार नए कार्यक्रमों की शुरुआत की गई । संस्थान के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगणों ने इन कार्यक्रमों में गहरी दिलचस्पी का प्रदर्शन किया । संस्थान के निदेशक डा0 कोटा श्री रामशास्त्री जी ने इन कार्यक्रमों को सफल बनाने में कुशल मार्गदर्शन का परिचय दिया । इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन किया तथा संस्थान के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों तथा पत्रकारों को 'राष्ट्रीय जल नीति' विषय पर एक परिचर्चा प्रस्तुत की । इस सप्ताह का मुख्य कार्यक्रम समापन समारोह के अवसर पर गुरुकुल विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलपति माननीय डा0 स्वतंत्र कुमार जी ने मुख्य अतिथि के रुप में अपना अमूल्य समय दिया और संस्थान की वार्षिक हिन्दी पत्रिका 'प्रवाहिनी' का विमोचन किया । उन्होंने अपने अतिथीय संभाषण में संस्थान में हो रहे हिन्दी कार्यों की प्रसंशा की तथा सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया । संस्थान के निदेशक ने संस्थान में प्रयुक्त हिन्दी के द्विभाषी फ़ार्मों की कम्प्युटर सी.डी. का विमोचन किया तथा इन फ़ार्मो के उपयोग हेतु आवश्यक निर्देश दिए ।

विगत वर्ष 'वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक' श्री प्रदीप कुमार उनियाल ने संस्थान के हिन्दी-प्रकोष्ठ में अपना पदभार ग्रहण किया । संस्थान के हिन्दी अधिकारी श्री अशोक कुमार द्विवेदी ने राजभाषा संस्थान, दिल्ली तथा रक्षा अनुसंधान टीबीआरएल, चंडीगढ द्वारा क्रमशः नैनीताल तथा चंडीगढ में आयोजित हिन्दी की राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा राजभाषा 'हिन्दी' में लेख प्रस्तुत किए । नैनीताल में प्रस्तुत लेख के लिए उन्हें राजभाषा संस्थान द्वारा उत्कृष्ट प्रस्तुति हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया । इस अवधि में पत्रिका 'प्रवाहिनी' एवं 'वार्षिक रिपोर्ट' का सफलतापूर्वक प्रकाशन किया गया ।

हिन्दी अधिकारी